

जिनविजयजी मुनि अभिनन्दन ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०२०३३)

मुख्य टाइटल

समिति की ओर से

सम्पादकीय

प्रास्ताविक

प्रथम खंड – जीवन परिचय

आचार्य श्री जिनविजय मुनि-संक्षिप्त परिचय – श्री जवाहीरलाल जैन -----	१
राजस्थान को मुनिजी की देन – श्री गोपालनारायण बहुरा -----	१४
वास्तव में वे देवकल्प हैं – पं. श्री झाबरमल शर्मा -----	२२

द्वितीय खंड – प्रशस्ति

आचार्य जिनविजयजी – पं. सुखलालजी सिंघवी -----	१
परिपूर्ति – पं. सुखलालजी सिंघवी -----	७
आचार्य जिनविजयजी – डॉ. रसिकलाल छोटेलाल परिख-----	११
मुनिजीनां बे एक स्मरणो – श्री जयंतीलाल आचार्य -----	१४
प्रेरणामूर्ति आचार्य जिनविजयजी – श्री दलसुखभाई -----	१६
मुनिश्री जिनविजयजी की कहानी उनके स्वलिखित पत्रों की जबानी – श्री हजारीमल बाँठिया -----	१९
मनीषी कर्म योगी – श्री हरिभाऊ उपाध्याय -----	३५
मुनिश्री जिनविजयजी – श्री भगवतसिंह महेता -----	३८

तृतीय खण्ड – लेख संग्रह

Religious background of Kuvalayamala – Dr. A. N. Upadhye-----	1
What were the contents of the Drstivada – L. Alsford -----	7
Religious Condition in S. E. Rajasthan from early Inscriptions Dr. Adris Banerjee -----	11
Parasaka the fifth varna – P. V. Bapat -----	20
जहाँगीर नो विधर्मी पवित्र पुरुषो प्रत्येनो आदर – डॉ. छोटुभाई आर. नायक -----	२१
समाधि पूर्वक मरण – श्री जुगल किशोर मुख्तार -----	३०
कबीर और मरण तत्व – डॉ. कन्हैयालाल सहल -----	३५
जैन धर्म और उसके सिद्धान्त – श्री देवेन्द्रकुमार शास्त्री -----	४०
Kautilya on war – R. P. Kangle -----	50
महाराजाधिराज श्री दुर्लभराज के समय का राष्ट्रीय संग्रहलाय दिल्ली का वि. सं. १०६७ का दान पत्र – डॉ. दशरथ शर्मा -----	५८
एक राजस्थानी लोक कथा का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. मनोहर शर्मा -----	६२
बगड़ के लोक साहित्य की झांखी – डॉ. एल. डी. जोशी -----	६९
विद्यापति-एक भक्त कवि – डॉ. हरीश -----	९१
महाकवि धनपाल-व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. हरीन्द्र भूषण जैन -----	१०५
गुजरात में रचित कतिपय दिगम्बर जैन ग्रंथ – डॉ. भोगीलाल जयचंदभाई सांडेसरा -----	११६

जैन आगम-औपपातिक सूत्र का सांस्कृतिक अध्ययन – श्री अगरचन्द नाहटा -----	१२१
Study of Titthogaliya – Shree Dalsukh Malvania -----	128
राजस्थान भाषा पुरातत्व – डॉ. उदयसिंह भटनागर -----	१३९
निमाड़ी भाषा और उसका क्षेत्र विस्तार – श्री रामनारायण उपाध्याय -----	१७४
Jain Iconography a brief survey – Shree Umakant P Shah-----	184
An Introduction to the Iconography of the Jain Goddess Padmavati – Shree A K Bhattacharya-----	219
The Temple of Mahavir at Ahar – Shree M A Dhaky -----	230
स्वयंभूकृत रिट्ठणेमिचरित्र मांथी पच्चीस देश्य शब्दो – डॉ. हरिवल्लभ भायाणी -----	२३३
वितण्डा – श्री एस्तेरे. ए. सोलोमन -----	२४०
भारतीय कला के मुख्य तत्व – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल -----	२४३
भारतीय मूर्ति कला में त्रिविक्रम – डॉ. ब्रजेन्द्रनाथ शर्मा -----	२५२
भारतीय संस्कृति में वृजकला और उसके ऐतिहासिक तिथिक्रम का विचार – श्री रावत चतुर्भुज -----	२६१
श्री गौडी पार्श्वनाथ तीर्थ – श्री भंवरलाल नाहटा -----	२६३
भारतीय संगीत शास्त्र में मार्ग और देशी का विभाजन – डॉ. प्रेमलताजी -----	२७६
पृथ्वीराज विजय-एक ऐतिहासिक महाकाव्य – डॉ. प्रभाकर शास्त्री -----	२८७
संस्कृत की शतक परंपरा – डॉ. सत्यव्रत तृषित -----	३०८
महाकवि समय सुंदर और उनका छत्तीसी साहित्य – श्री सत्य नारायण स्वामी -----	३२५
जैन दर्शन का कर्म सिद्धान्त-जीवन का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण - प्रो. प्रेमसुमन जैन -----	३३९
सत्यमेव जयते नानृतम् – प्रो. म. अ. महेन्दले -----	३४६